RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
सितम्बर
21
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

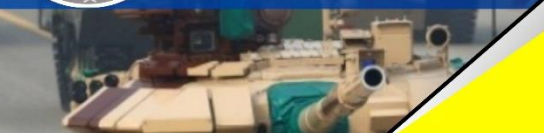

By Ankit Avasthi Sir

FATF ने मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ भारत के कदमों की सराहना की

वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (FATF) ने **मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवाद के वित्तपोषण** के खिलाफ **भारत** के कदमों की सराहना की है। वित्त मंत्रालय के **राजस्व विभाग** के अनुसार FATF की पारस्परिक आकलन रिपोर्ट ने **भारत के प्रयासों को तकनीकी अनुपालन के उच्च स्तर** पर रखा है। भारत ने **अवैध वित्त** से निपटने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, और **FATF-APG-EAG के संयुक्त आकलन** ने इस बात की पुष्टि की है कि भारत की **एएमएल (मनी लॉन्ड्रिंग रोधी) और सीएफटी (आतंकवादी वित्तपोषण रोधी)** रूपरेखा सफलतापूर्वक लागू की गई है।

प्रमुख निष्कर्ष:

1. **तकनीकी अनुपालन:** भारत ने FATF की सिफारिशों के अनुरूप **उच्चतम तकनीकी अनुपालन** प्राप्त किया है।
2. **वित्तीय खुफिया का उपयोग:** अधिकारी **वित्तीय खुफिया जानकारी** का उपयोग प्रभावी ढंग से कर रहे हैं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग भी बेहतर है।
3. **अनुवर्ती श्रेणी:** भारत को FATF की उच्चतम श्रेणी, **'नियमित अनुवर्ती'** में रखा गया है, और इस श्रेणी में **भारत** के अलावा **ब्रिटेन, फ्रांस और इटली** भी शामिल हैं।
4. **वित्तीय समावेशन:** वित्तीय समावेशन के तहत, भारत में **बैंक खाते** वाले लोगों की संख्या दोगुनी हो गई है और डिजिटल भुगतान प्रणाली का बढ़ावा वित्तीय पारदर्शिता को मजबूत कर रहा है।
5. **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:** भारत ने **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग**, **परिसंपत्तियों की वसूली**, और **आतंकवादी वित्तपोषण** पर अंकुश लगाने के लिए लक्षित वित्तीय प्रतिबंधों को सफलतापूर्वक लागू किया है।
6. **आतंकवाद से जुड़े जोखिम:** रिपोर्ट में यह बताया गया है कि भारत आतंकवाद और उसके वित्तपोषण के खतरों का सामना कर रहा है, जिसमें **ISIS और अलकायदा** से जुड़े खतरे भी शामिल हैं।
7. **गैर-लाभकारी संगठनों पर ध्यान:** आतंकवादियों के वित्तपोषण के लिए **गैर-लाभकारी संगठनों** का दुरुपयोग रोकने के लिए भारत को **जोखिम-आधारित दृष्टिकोण** के अनुरूप कदम उठाने की आवश्यकता है।
8. **पीईपी (राजनीति से जुड़े व्यक्तियों) पर सुधार:** भारत को **राजनीतिक हस्तियों (PEP)** पर अधिक सख्त कदम उठाने और **रिपोर्टिंग संस्थाओं** द्वारा नियमों का पालन सुनिश्चित करने की आवश्यकता है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि **गैर-वित्तीय क्षेत्र और आभासी परिसंपत्ति सेवा प्रदाताओं** द्वारा निवारक उपायों का कार्यान्वयन अभी शुरुआती चरण में है। साथ ही, भारत को बेशकीमती धातुओं और पत्थरों के व्यापार में नकदी संबंधी प्रतिबंधों को सख्ती से लागू करना जरूरी है।

भारत और FATF:

- भारत **2006** में FATF का पर्यवेक्षक बना और **2010** में पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल हुआ।
- भारत FATF के क्षेत्रीय सहयोगी समूहों जैसे **एशिया पैसिफिक ग्रुप (APG)** और **यूरेशियन ग्रुप (EAG)** का भी सदस्य है।

वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF)

वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF) एक वैश्विक संस्था है, जिसकी स्थापना 1989 में **G-7 देशों** द्वारा पेरिस में की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य **मनी लॉन्ड्रिंग** (धन शोधन) और **आतंकवादी वित्तपोषण** जैसी समस्याओं से निपटने के उपाय विकसित करना है। FATF अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर **वित्तीय प्रणालियों की सुरक्षा** के लिए मानक स्थापित करता है और उनके अनुपालन की निगरानी करता है।

FATF का उद्देश्य:

- ✓ **मनी लॉन्ड्रिंग** से निपटने के उपायों को विकसित करना।
- ✓ 2001 में **9/11 हमलों** के बाद, इसका जनादेश बढ़ाकर **आतंकवादी वित्तपोषण** को शामिल किया गया।
- ✓ 2012 में, FATF ने **सामूहिक विनाश के हथियारों (WMD)** के प्रसार के वित्तपोषण को रोकने के लिए भी अपने प्रयासों का विस्तार किया।

FATF के सदस्य और पर्यवेक्षक:

- **सदस्य:** वर्तमान में FATF में 37 सदस्य निकाय हैं, जो प्रमुख वित्तीय केंद्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- FATF के 39 सदस्यों में **दो क्षेत्रीय संगठन** शामिल हैं: **यूरोपीय आयोग (EC)** और **खाड़ी सहयोग परिषद (GCC)।**
- प्रमुख सदस्य देशों में **अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राज़ील, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इज़राइल, जापान, सऊदी अरब, यूके, और यूएस** जैसे देश शामिल हैं।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री द्वारा सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने की पहल

अमेज़न नदी बेसिन इस समय **अभूतपूर्व सूखे** का सामना कर रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में जल स्तर ऐतिहासिक रूप से निम्नतम स्तर पर पहुँच गया है। कई क्षेत्रों में पहले **नौगम्य जलमार्ग सूख** गए हैं। **सोलिमोस नदी**, जो अमेज़न नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है, अपने **रिकॉर्ड निम्नतम स्तर** पर पहुँच गई है। यह नदी पेरू के एंडीज से निकलती है और ब्राज़ील के तबेटिंगा में स्थित है।

नदी की स्थिति:

- ✓ **टेफे में सूखना:** सोलिमोस की एक शाखा, टेफे में, पूरी तरह से **सूख** गई है। पास की **झील टेफे**, जहाँ पिछले साल 200 से अधिक **मीठे पानी की डॉल्फ़िन** की मृत्यु हुई थी, भी सूख गई है।
- ✓ **ग्रीनपीस** द्वारा किए गए फ्लाईओवर में, सोलिमोस नदी पर **सैंडबैंक के सामने नावें** देखी गईं, जो प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी और प्रारंभिक चेतावनी के लिए **राष्ट्रीय केंद्र (सेमाडेन)** के काम की पुष्टि करती हैं।

जलवायु परिवर्तन और वन्यजीव:

- ✓ **सोलिमोस** की शाखा का नदी किनारा **रेत के टीले** में बदल गया है।
- ✓ सूखे का दूसरा साल **ब्राज़ील** के **वनस्पति** क्षेत्र में **आग लगने** का कारण बना है, जिससे **धुएं के बादलों ने शहरों को ढक** लिया हैं।

जल स्तर में कमी:

- **तबेटिंगा** में, **सोलिमोस नदी** का जल स्तर सितंबर की पहली छमाही में औसत से **4.25 मीटर** नीचे मापा गया था।
- टेफे में, नदी पिछले साल के मुकाबले औसत स्तर से **2.92 मीटर** नीचे रही है।

स्थानीय निवासियों की चिंताएँ:

- **मनौस**, जहां **सोलिमोस अमेज़न** नदी में मिलती है, में **रियो नीग्रो** का जल स्तर भी पिछले साल अक्टूबर में रिकॉर्ड कम पर है। स्वदेशी नेता कामबेबा ने बताया कि इस साल सूखा पिछले साल से भी बदतर हो गया है।
- अमेज़न नदी और इसके सहायक जलमार्गों में हो रहे ये परिवर्तन जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को दर्शाते हैं और **स्थानीय समुदायों, वन्यजीवों और पर्यावरण** पर गहरे प्रभाव डाल रहे हैं।

अमेज़न नदी: प्रमुख तथ्य और विशेषताएँ:

- ☑ **दुनिया की सबसे बड़ी नदी:** जल की **मात्रा और चौड़ाई** के हिसाब से यह नदी **सबसे बड़ी** है।
- ☑ **दूसरी सबसे लंबी नदी:** यह **नील न**दी के बाद दुनिया की **दूसरी सबसे लंबी** नदी है।
- ☑ **स्रोत:** अमेज़न नदी की यात्रा **एंडीज पर्वतमाला** से शुरू होती है।
- ☑ **समापन:** यह ब्राज़ील के उत्तर-पूर्वी तट पर **अटलांटिक महासागर** में समा जाती है।
- ☑ **जल निकासी क्षेत्र:** इसका जल निकासी क्षेत्र किसी भी **नदी प्रणाली** से बड़ा है।
- ☑ **देशों का विस्तार:** इसका जल-विभाजक क्षेत्र **ब्राज़ील, पेरू, इक्वाडोर, कोलंबिया, वेनेजुएला और बोलीविया** देशों तक फैला हुआ है। लगभग दो-तिहाई भाग ब्राज़ील में स्थित है।
- ☑ **मौसमी परिवर्तन:** नदी का आकार मौसम के साथ बदलता रहता है। शुष्क मौसम में इसकी **चौड़ाई 4 से 5 किलोमीटर** होती है, जबकि बरसात के मौसम में यह **50 किलोमीटर** तक बढ़ जाती है।
- ☑ **उल्लेखनीय सहायक नदियाँ: रियो नीग्रो, मदीरा नदी, और ज़िंगू नदी** आदि शामिल हैं।
- ☑ **अमेज़न वर्षावन:** यह वर्षावन पृथ्वी के शेष वर्षावन का लगभग **आधा हिस्सा** है और जैविक संसाधनों का सबसे बड़ा भंडार है।
- ☑ **पृथ्वी के फेफड़े:** इसके **ऑक्सीजन और कार्बन चक्रों** को विनियमित करने की भूमिका के कारण इसे "**पृथ्वी के फेफड़े**" के रूप में भी जाना जाता है।

जलवायु अनुकूल शहरों के लिए बहुस्तरीय कार्रवाई पर राष्ट्रीय कार्यशाला

दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में पहली बार, भारत के **अहमदाबाद, राजकोट, वडोदरा, कोयंबटूर, तिरुचिरापल्ली, तिरुनेवेली, उदयपुर, और सिलीगुड़ी** जैसे शहरों के लिए **सात नेट-जीरो जलवायु अनुकूल शहर कार्य योजनाएँ** जारी की गईं। यह पहल भारत के **2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन** लक्ष्य के अनुरूप है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा **2021 में काप 26 (ग्लासगो)** सम्मेलन में की गई प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

जलवायु लचीलापन के बारे में :

जलवायु लचीलापन का अर्थ है जलवायु से संबंधित **खतरनाक घटनाओं**, जैसे **बाढ़, तूफान, गर्मी की लहरें, और अन्य बदलावों का पूर्वानुमान** लगाना, उनके लिए तैयार रहना और सही समय पर प्रतिक्रिया देना। इसमें जलवायु संबंधी **जोखिमों का मूल्यांकन** करना और उनसे निपटने के लिए रणनीतियाँ विकसित करना भी शामिल है।

जलवायु लचीले शहरों की आवश्यकता:

- ✓ **चरम मौसम की घटनाओं का सामना:** बढ़ती **बाढ़, समुद्र स्तर में वृद्धि, और शहरी ताप द्वीप** जैसी घटनाओं के कारण शहरों को जलवायु लचीलापन बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि वे इन झटकों को सहन कर सकें और सामान्य स्थिति में लौट सकें।
- ✓ **जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन:** शहर वैश्विक ऊर्जा उपयोग का लगभग **दो-तिहाई हिस्सा** खपत करते हैं और **ऊर्जा-संबंधित ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन में 70% से अधिक** योगदान देते हैं। इसलिए, शहरों को जलवायु अनुकूल नीतियों को अपनाने की आवश्यकता है ताकि **जीएचजी उत्सर्जन** कम किया जा सके और जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों से बचा जा सके।

आठ नेट-जीरो जलवायु लचीला शहर कार्य योजनाओं की विशेषताएं:

- **फाइनेंस की आवश्यकता:** **8 शहरों को 2070 तक** जलवायु परियोजनाओं के लिए **85,000 बिलियन डॉलर** की आवश्यकता होगी।
- **उत्सर्जन में कमी:** वर्तमान तकनीक के आधार पर 2070 तक **91% तक उत्सर्जन में कमी** का लक्ष्य है। नेट-जीरो उत्सर्जन के लिए नई प्रौद्योगिकियों और नीतियों की आवश्यकता होगी।
- **हरित नौकरियाँ:** कार्य योजनाओं के कार्यान्वयन से **8 लाख हरित नौकरियों** का सृजन होने की उम्मीद है।

कार्यशाला में चर्चा किए गए समाधान:

- **तिरुनेलवेली:** शहरी बाढ़ की पूर्व चेतावनी प्रणाली।
- **अहमदाबाद:** इलेक्ट्रिक बसों के लिए सौर ऊर्जा संचालित चार्जिंग स्टेशन।
- **उदयपुर:** हरित गतिशीलता क्षेत्र का कार्यान्वयन।
- **वडोदरा, उदयपुर, सिलीगुड़ी:** मियावाकी वनों का कार्यान्वयन।
- **कोयंबटूर:** फ्लोटिंग सौर परियोजना।

जलवायु अनुकूल शहरों के लिए प्रमुख पहल:

- ☑ **अहमदाबाद की पहल:** अहमदाबाद ने **यू20 मेयरल शिखर सम्मेलन 2023** के दौरान अपना **नेट-जीरो सीआरसीएपी 2070** जारी किया, जिसने अन्य शहरों के लिए एक मिसाल कायम की। यह पहल भारतीय शहरों की **जलवायु परिवर्तन से निपटने** और **सामुदायिक लचीलापन** बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।
- ☑ **कैपेसिटीज परियोजना:** स्विस एजेंसी फॉर डेवलपमेंट एंड कोऑपरेशन (एसडीसी) द्वारा समर्थित **कैपेसिटीज परियोजना** ने **आठ** भारतीय शहरों की **कम कार्बन, जलवायु-लचीली रणनीतियों** को विकसित करने और उन्हें लागू करने की क्षमता में सुधार किया है। इस परियोजना ने शहरों को बड़े पैमाने पर **बैंकेबल परियोजनाओं** की तैयारी में भी प्रशिक्षित किया है।
- ☑ **लचीला शहर नेटवर्क (आर-सिटीज):** **2020** में लॉन्च किया गया यह नेटवर्क तीन मुख्य स्तंभों - **जलवायु लचीलापन, परिपत्रता (Circularity), और इक्विटी (समानता)** - पर आधारित है। इसका उद्देश्य शहरों में **जलवायु लचीलापन** बढ़ाने और उन्हें **पर्यावरणीय और सामाजिक** रूप से **टिकाऊ** बनाने में मदद करना है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के अंतर्राष्ट्रीय शासन पर रिपोर्ट

संयुक्त राष्ट्र में एक **कृत्रिम-खुफिया (AI)** सलाहकार निकाय ने अपनी अंतिम रिपोर्ट में एआई के **वैश्विक शासन और जोखिम प्रबंधन** के लिए सात महत्वपूर्ण सिफारिशें प्रस्तुत की हैं। यह रिपोर्ट एआई के तेजी से विकास और इसके संभावित खतरों को नियंत्रित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ठोस कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर देती है।

एआई के वैश्विक शासन की आवश्यकता:

- ✓ **शक्ति और धन का केंद्रीकरण:** एआई के विकास ने वैश्विक स्तर पर **शक्ति और संसाधनों** को केंद्रित किया है, जो देशों और कंपनियों के बीच असमानता बढ़ा सकता है।
- ✓ **एआई की जटिलता:** एआई के आंतरिक कामकाज को समझना और उसके भविष्य के विकास की सटीक **भविष्यवाणी** करना मुश्किल हो गया है, जिससे इसके **आउटपुट पर पूरा नियंत्रण** नहीं हो पाता।
- ✓ **सीमापारीय संरचना:** एआई की **तकनीक और अनुप्रयोग** सीमाओं के पार जाते हैं, इसलिए इसे केवल बाजार की शक्तियों पर निर्भर नहीं छोड़ा जा सकता।
- ✓ **समान अवसरों का वितरण:** एआई का उपयोग **ऊर्जा, स्वास्थ्य, कृषि** जैसे क्षेत्रों में समान अवसर प्रदान कर सकता है, जिससे वैश्विक विकास और लाभ बढ़ सकते हैं।

प्रमुख सिफारिशें:

1. **वैज्ञानिक पैनल की स्थापना:** एआई के निष्पक्ष और **विश्वसनीय वैज्ञानिक ज्ञान** को सुनिश्चित करने के लिए एक **स्वतंत्र पैनल का गठन, जो एआई प्रयोगशालाओं** और बाकी दुनिया के बीच सूचना विषमताओं को दूर करेगा।
2. **वैश्विक एआई नीति संवाद:** एआई के मानकों का **आदान-प्रदान और वैश्विक एआई क्षमता** विकास नेटवर्क की स्थापना के लिए नियमित अंतर-सरकारी नीति संवाद आयोजित किए जाने का प्रस्ताव। यह एआई से संबंधित ज्ञान और शासन को मजबूत करने के उद्देश्य से होगा।
3. **वैश्विक एआई कोष:** एआई के विकास और सहयोग में आने वाली खामियों को भरने के लिए **एक वैश्विक एआई फंड** की स्थापना। यह उन क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देगा, जहां क्षमता का अभाव है।
4. **वैश्विक एआई डेटा ढांचा:** पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक वैश्विक एआई डेटा फ्रेमवर्क का गठन, ताकि एआई से जुड़े डेटा के प्रबंधन में मानकीकरण हो सके।
5. **एआई कार्यालय की स्थापना:** एआई जोखिम प्रबंधन और वैश्विक एआई शासन के लिए एक केंद्रीय **एआई कार्यालय** की स्थापना की सिफारिश, जो इन प्रस्तावों को कार्यान्वित करने में समन्वय और समर्थन करेगा।
6. **वैश्विक एआई विकास और सहयोग:** एआई प्रयोगशालाओं और विकासशील देशों के बीच असमानता को पाटने के लिए वैश्विक स्तर पर **एआई क्षमता विकास नेटवर्क** का गठन, जिससे सभी देशों को एआई से मिलने वाले अवसरों का समान रूप से लाभ मिल सके।
7. **नए एआई मानकों का निर्माण:** एआई विकास में योगदान देने वाले विभिन्न हितधारकों को एक साथ लाने और नए मानकों का निर्माण करने पर बल, ताकि एआई के उपयोग को जिम्मेदार और सुरक्षित तरीके से सुनिश्चित किया जा सके।

एआई के वैश्विक नियंत्रण पर वर्तमान स्थिति:

AI के तेजी से प्रसार ने **गलत सूचना, नकली समाचार और कॉपीराइट उल्लंघन** जैसी चिंताओं को जन्म दिया है। केवल कुछ देशों ने एआई के उपयोग को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए हैं।

- ✓ **यूरोपीय संघ** ने सबसे व्यापक **एआई अधिनियम** पारित किया है, जबकि **संयुक्त राज्य अमेरिका** स्वैच्छिक अनुपालन के रास्ते पर चल रहा है।
- ✓ **चीन** ने एआई के उपयोग को राज्य नियंत्रण में रखने पर ध्यान केंद्रित किया है।

संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट में यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है कि एआई का विकास लोगों पर थोपा न जाए, बल्कि इसमें पारदर्शिता और जवाबदेही भी बनी रहे।

वैश्विक एआई शासन की चुनौती:

- ☑ **व्यापक ढांचे की कमी:** एआई के लिए कोई व्यापक और वास्तविक **वैश्विक ढांचा** उपलब्ध नहीं है, जिससे इसके समान और संतुलित उपयोग में दिक्कतें आती हैं।
- ☑ **प्रतिनिधित्व की कमी:** केवल सात देश प्रमुख एआई शासन प्रयासों में शामिल हैं, जबकि **118 देश**, खासकर वैश्विक दक्षिण के, किसी भी प्रयास का हिस्सा नहीं हैं।
- ☑ **कार्यान्वयन की समस्या:** एआई के अवसरों को समान रूप से साझा करने में बाधाएँ हैं, क्योंकि **वैश्विक प्रतिबद्धताएँ** ठोस परिणामों में परिवर्तित नहीं हो पा रही हैं।

भविष्य की दिशा: सितंबर में आयोजित होने वाले **यू.एन. शिखर सम्मेलन** में इन सिफारिशों पर व्यापक चर्चा की जाएगी। इन सिफारिशों का उद्देश्य एआई के जिम्मेदार उपयोग के लिए वैश्विक नीति निर्माण को प्रोत्साहित करना है।

GOBARdhan प्लांट: एशिया का सबसे बड़ा नगर निगम ठोस अपशिष्ट आधारित प्लांट

इंदौर नगर निगम (IMC) ने **GOBARdhan प्लांट स्थापित** किया है, जो **घरेलू अपशिष्ट** को स्वच्छ ऊर्जा में बदलता है। इस प्लांट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **2022** में किया था। यह **एशिया का सबसे बड़ा नगर निगम ठोस अपशिष्ट आधारित प्लांट** है, जो प्रतिदिन **17,000 किलोग्राम Bio-CNG** का उत्पादन करता है। यह उपलब्धि केवल तकनीकी नहीं, बल्कि एक स्थायी भविष्य की दिशा में मानव सहनशीलता और सामूहिक प्रयास का प्रतीक है।

GOBARdhan पहल:

- ✓ यह प्लांट **GOBARdhan** पहल का हिस्सा है, जिसे 2018 में **स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)** के तहत शुरू किया गया था।
- ✓ इस कार्यक्रम का उद्देश्य जैविक अपशिष्ट—जैसे **पशु गोबर, फसल अवशेष, और रसोई के अवशेषों**—को नवीकरणीय ऊर्जा और जैविक खाद में बदलना है।
- ✓ **स्वच्छता का उत्सव: 4S अभियान:** स्वच्छ भारत मिशन की 10वीं वर्षगांठ मनाने के लिए, **स्वाभाव स्वच्छता संस्कार स्वच्छता (4S)** अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2024 तक चल रहा है। यह अभियान **स्वच्छता ही सेवा** पहल के साथ जुड़ा है, जो महात्मा गांधी के जन्मदिन पर **स्वच्छ भारत दिवस** मनाने की तैयारी कर रहा है।

प्लांट कैसे काम करता है?

- हर सुबह, **घरों और बाजारों से छांटा** हुआ **जैविक अपशिष्ट** GOBARdhan प्लांट में लाया जाता है।
- यहाँ, कुशल श्रमिक उच्च तकनीक मशीनरी का उपयोग करते हैं ताकि इस अपशिष्ट को Bio-CNG में बदला जा सके। इस प्रक्रिया में **छानना, पीसना और जैविक अपशिष्ट** को बड़े एनारोबिक पाचनागार में डालना शामिल है, जहाँ सूक्ष्मजीव सामग्री को तोड़ते हैं और बायोगैस का उत्पादन करते हैं।
- इस **बायोगैस** को फिर **Bio-CNG** में संकुचित किया जाता है, जो जीवाश्म ईंधनों का एक स्वच्छ विकल्प है।

पर्यावरणीय प्रभाव:

- प्लांट का एक महत्वपूर्ण योगदान **कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन** को कम करना है।
- **जैविक अपशिष्ट** को ऊर्जा में परिवर्तित करके, यह हर साल **लगभग 130,000 टन CO2** को वायुमंडल में जाने से रोकता है।
- यह प्रयास न केवल अपशिष्ट को लैंडफिल से हटा देता है—जहाँ यह **हानिकारक मीथेन** पैदा करेगा—बल्कि भारत के कुल **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन** को भी कम करने में मदद करता है।

श्रमिक सुरक्षा और प्रशिक्षण : GOBARdhan प्लांट में सुरक्षा **सर्वोपरि** है। श्रमिकों को **व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (PPE)** प्रदान किए जाते हैं और वे नियमित सुरक्षा अभ्यास में भाग लेते हैं, जिससे एक सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित होता है। ये उपाय प्लांट को उच्च उत्पादकता बनाए रखने और सख्त सुरक्षा और पर्यावरण मानकों का पालन करने में मदद करते हैं।

एक राष्ट्रीय आंदोलन :

- ✓ इंदौर के GOBARdhan प्लांट की सफलता भारत में **समान परियोजनाओं** के लिए एक खाका प्रस्तुत करती है।
- ✓ इस पहल ने **देशभर में 1,300 से अधिक बायोगैस प्लांटों** की स्थापना को प्रेरित किया है, जिनमें से **870 वर्तमान** में कार्यरत हैं।
- ✓ ये प्लांट न केवल **लैंडफिल** के दबाव को कम करते हैं, बल्कि किसानों के लिए भी स्थायी आय के स्रोत पैदा करते हैं, जो अपने **अपशिष्ट को प्रसंस्करण** के लिए बेच सकते हैं या **बायो-स्लरी** का उपयोग गुणवत्ता वाली खाद के रूप में कर सकते हैं।

उज्ज्वल भविष्य:

- ☑ इंदौर का GOBARdhan प्लांट दिखाता है कि **दृष्टि, नवाचार और सामुदायिक** सहयोग के माध्यम से क्या हासिल किया जा सकता है।
- ☑ भारतीय सरकार की GOBARdhan योजना के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट है, जिसमें केंद्रीय बजट 2023 में **500 नए "अपशिष्ट से संपत्ति"** प्लांट के लिए **10,000 करोड़ रुपये** का आवंटन किया गया है। इस निवेश से भारत के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।
- ☑ जैसे-जैसे भारत एक **स्वच्छ और अधिक सतत भविष्य** की ओर बढ़ रहा है, GOBARdhan पहल अपशिष्ट-से-ऊर्जा समाधानों की संभावनाओं को प्रदर्शित करती है।
- ☑ विकास और सरकारी समर्थन के साथ, भारत में **स्वच्छ ऊर्जा** का भविष्य उज्ज्वल है, जो शहरी और ग्रामीण दोनों समुदायों को लाभ पहुंचाने वाले एक हरे, परिपत्र अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहा है।

पेजर (Pager)

हाल ही में लेबनान में हुए **पेजर विस्फोटों** ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। पेजर उपकरणों का उपयोग करके किए गए इस हमले ने वैश्विक स्तर पर इन उपकरणों को चर्चा में ला दिया है।

पेजर क्या है?

पेजर एक **वायरलेस संचार** उपकरण है, जिसका उपयोग मुख्य रूप से **संदेश भेजने और प्राप्त** करने के लिए किया जाता है। इसे **बीपर** भी कहा जाता है, क्योंकि यह संदेश प्राप्त होने पर **बीप साउंड उत्पन्न** करता है। **20वीं शताब्दी** में, पेजर का उपयोग विशेष रूप से चिकित्सा सेवाओं, आपातकालीन सेवाओं और व्यावसायिक क्षेत्रों में किया जाता था।

पेजर का इतिहास और विकास:

- ✓ **1921:** पेजर का आविष्कार **ए एल ग्रॉस** ने किया। पहले इसका उपयोग **पुलिस विभागों** द्वारा साधारण अलर्ट सिस्टम के रूप में किया गया।
- ✓ **1940-50:** 1949 में **अल्फ्रेड जे. ग्रॉस** ने पेजर का पहला **पेटेंट** कराया। 1950 में, न्यूयॉर्क में चिकित्सकों के लिए इसका व्यावसायिक उपयोग शुरू हुआ।
- ✓ **1960:** मोटोरोला के **जॉन फ्रांसिस मिशेल** ने पहला **ट्रांजिस्टरकृत पेजर** बनाया, जो पेजर के आकार और प्रभावशीलता को बढ़ाता है।
- ✓ **1980:** पेजर का उपयोग तेजी से बढ़ा और यह **मोबाइल फोन का सस्ता विकल्प** बन गया।

पेजर की कार्यप्रणाली: पेजर एक छोटे से **रेडियो रिसीवर** के रूप में काम करता है। जब किसी को संपर्क करना होता है, तो पेजिंग सिस्टम एक विशेष संकेत भेजता है, जो पेजर को सक्रिय करता है। यह संकेत **टॉवर या उपग्रह** के माध्यम से प्रसारित होता है। पेजर इस संकेत को **इलेक्ट्रॉनिक** रूप से प्रोसेस करता है और उपयोगकर्ता को सूचित करता है।

पेजर के प्रकार:

1. **बीपर्स पेजर:** साधारण बीपिंग आवाज़ के साथ।
2. **वॉयस/टोन पेजर:** रिकॉर्डेड वॉयस संदेश सुनने की सुविधा।
3. **संख्यात्मक पेजर:** 10 अंकों तक की संख्यात्मक जानकारी दिखाते हैं।
4. **अल्फ़ान्यूमेरिक पेजर:** टेक्स्ट और आइकन प्रदर्शित करने की क्षमता।
5. **प्रतिक्रिया पेजर:** संदेशों का उत्तर देने की सुविधा।
6. **टू वे पेजर:** बिल्ट-इन कीबोर्ड के साथ।

निष्कर्ष:

हालांकि **पेजर** का उपयोग वर्तमान में कम हुआ है, फिर भी कुछ संगठनों, जैसे **हिज़्बुल्लाह**, द्वारा इसे **सुरक्षित और विश्वसनीय संचार** के लिए उपयोग किया जा रहा है। पेजर का इस तरह का अनुचित उपयोग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता का विषय है। लेबनान में हालिया विस्फोटों ने इस उपकरण के उपयोग को फिर से महत्वपूर्ण बना दिया है और इसके प्रभावों पर ध्यान देने की आवश्यकता को उजागर किया है।

पेजर के उपयोग में कमी के कारण:

- ☑ **मोबाइल फोन की उपलब्धता:** स्मार्टफोन ने पेजरों को अप्रचलित बना दिया।
- ☑ **संवाद की सीमित क्षमता:** पेजर केवल अलर्ट या संक्षिप्त संदेश भेज सकते हैं।
- ☑ **समर्थन की कमी:** सेवा प्रदाताओं की संख्या में कमी।
- ☑ **सार्वजनिक प्रसारण:** नेटवर्क सुरक्षा की कमी।

पेजर के लाभ:

- ☑ **सुरक्षा और गोपनीयता:** पेजर का ट्रेस करना मोबाइल फोन की तुलना में कठिन होता है।
- ☑ **दीर्घकालिक बैटरी जीवन:** पेजर की बैटरी एक बार चार्ज करने पर सप्ताहों तक चलती है।
- ☑ **आवश्यकता की अनुकूलता:** चिकित्सा सेवाओं में त्वरित संचार के लिए उपयोगी।
- ☑ **प्रवेश में आसानी:** भूमिगत क्षेत्रों में बेहतर कार्यक्षमता।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री द्वारा सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने की पहल

20 सितंबर 2024 को केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने **2 लाख नई बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (PACS),** डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियों के लिए एक कार्य योजना की शुरुआत की। यह पहल सहकारी क्षेत्र को मजबूत करने और देशभर में सहकारिता के माध्यम से विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है।

महत्वपूर्ण पहल और योजनाएं:

1. **PACS:** ये समितियाँ अल्पकालिक सहकारी ऋण संरचना की जमीनी स्तर की शाखाएँ हैं और किसानों को **ऋण, कृषि उत्पादों की खरीद और भंडारण** जैसी सुविधाएं प्रदान करती हैं।
2. **'श्वेत क्रांति 2.0' के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (SOP):** यह पहल मुख्य रूप से डेयरी क्षेत्र के विकास के माध्यम से **महिला सशक्तिकरण** पर केंद्रित है। इसके तहत **2029** तक **दूध की खरीद बढ़ाकर 1,000 लाख किलोग्राम प्रतिदिन** करने का लक्ष्य रखा गया है।
3. **'सहकारी समितियों के बीच सहयोग' के लिए SOP:** इसका उद्देश्य **वित्तीय समावेशन** को बढ़ावा देना है। इस पहल के तहत सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए **सहकारी बैंक खाते** खोले गए हैं, जिससे उन्हें वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्राप्त हो सके।

सहकारी क्षेत्र का महत्व:

- **असमानता को दूर करना:** सहकारी **समितियाँ पूंजी-केंद्रित** न होकर व्यक्ति-केंद्रित होती हैं, जिससे वे **धन का वितरण** अधिक निष्पक्ष तरीके से करती हैं और असमानता को कम करती हैं।
- **किसानों का सशक्तिकरण: नेफेड, इफको और अमूल** जैसी सहकारी समितियों ने किसानों के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- **वित्तीय समावेशन:** सहकारी बैंक अपने सदस्यों को **कम ब्याज दरों** पर ऋण प्रदान करते हैं, जिससे वे अपनी आर्थिक स्थिति को सुधार सकते हैं।
- **महिला सशक्तिकरण:** सहकारी समितियाँ महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाती हैं, जिससे उनके **प्रतिनिधित्व** और **आय** में वृद्धि होती है।

श्वेत क्रांति (दुग्ध क्रांति) के बारे में:

- **श्वेत क्रांति** भारत में **1970 में ऑपरेशन फ्लड** के तहत शुरू हुई थी, जिसका उद्देश्य **दुग्ध उत्पादन** को बढ़ाना और इसे सहकारी प्रणाली के माध्यम से संगठित करना था।

अभ्यास AIKYA

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) और **भारतीय सेना के दक्षिणी कमान** ने **चेन्नई** में आपदा प्रबंधन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी **'व्यायाम AIKYA'** का आयोजन किया।

अभ्यास AIKYA:

अभ्यास AIKYA राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) और **चेन्नई** में सेना दक्षिणी कमान द्वारा आयोजित एक **दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यक्रम** है। इसका मुख्य लक्ष्य विभिन्न संगठनों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना और आपदाओं के लिए तैयार रहने के तरीकों में सुधार करना है।

लक्ष्य और उद्देश्य:

- ✓ **सामंजस्य और तत्परता में सुधार:** कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा प्रतिक्रिया के लिए समन्वय को बढ़ाना है।
- ✓ **सिमुलेशन अभ्यास:** प्रतिभागी आपदा प्रबंधन में प्रौद्योगिकी के उपयोग पर चर्चा करेंगे।

प्रमुख प्रतिभागी:

इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि शामिल हैं, जैसे:

- ☑ **रेलवे, परिवहन, नागरिक उड्डयन, स्वास्थ्य, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन**
- ☑ **राज्य और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण**
- ☑ **भारतीय सेना**
- ☑ **अन्य योगदानकर्ता:** भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD), राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, केंद्रीय जल आयोग, भारतीय वन सर्वेक्षण

फोकस क्षेत्र: सुनामी, भूस्खलन, बाढ़, जंगल की आग, चक्रवात

जान साझा करना: कार्यक्रम प्रतिभागियों के बीच आपदा प्रबंधन तकनीकों को समझने में मदद करेगा।

क्षमता निर्माण: यह प्रतिभागियों को भविष्य की आपदा तैयारियों के लिए अपने कौशल को विकसित करने में सहायक होगा।

रणनीतिक योजना:

- कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य **आपदाओं से निपटने** के लिए **वास्तविक समाधान** निकालना है, जिससे आपदा प्रबंधन में सुधार हो सके।
- यह अभ्यास AIKYA आपदा **प्रबंधन** के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो विभिन्न संगठनों के सहयोग से भारत की आपदा तैयारी को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है।

TRISHNA मिशन

हाल ही में, **फ्रांसीसी अंतरिक्ष एजेंसी CNES** के अध्यक्ष ने **फ्रांस-भारत अंतरिक्ष सहयोग** के 60 वर्षों के जश्न में TRISHNA मिशन के महत्व पर बात की।

TRISHNA मिशन:

यह मिशन **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)** और **CNES** के बीच एक **सहयोगात्मक** प्रयास है, जिसका उद्देश्य **उच्च-रिज़ॉल्यूशन प्राकृतिक संसाधन आकलन** करना है।

उद्देश्य:

TRISHNA मिशन को निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए डिज़ाइन किया गया है:

- ✓ **सतह तापमान का अवलोकन:** पृथ्वी की सतह के तापमान की **उच्च स्थानिक और लौकिक संकल्प** अवलोकन करना।
- ✓ **वनस्पति स्वास्थ्य और जल चक्र:** वनस्पति स्वास्थ्य और जल चक्र की गतिशीलता पर डेटा प्रदान करना।
- ✓ **शहरी ताप द्वीपों का मूल्यांकन:** शहरी क्षेत्रों में ताप द्वीपों का व्यापक मूल्यांकन करना।
- ✓ **ज्वालामुखीय गतिविधियों का पता लगाना:** ज्वालामुखीय गतिविधियों और भूतापीय संसाधनों से जुड़ी तापीय विसंगतियों की पहचान करना।
- ✓ **ग्लेशियर की गतिशीलता की निगरानी:** बर्फ पिघलने से होने वाले अपवाह और ग्लेशियर की गतिशीलता की सटीक निगरानी करना।

पेलोड विवरण:

1. **थर्मल इन्फ्रा-रेड (टीआईआर) पेलोड:**
   - यह **CNES** द्वारा प्रदान किया गया है और **चार-चैनल लंबी-तरंग** अवरक्त इमेजिंग सेंसर से लैस है।
   - यह उच्च-रिज़ॉल्यूशन सतह तापमान और **उत्सर्जन मानचित्रण** में सक्षम है।
2. **दृश्यमान-निकट अवरक्त-लघुतरंग अवरक्त (वीएनआईआर-एसडब्ल्यूआईआर) पेलोड:**
   - इसे इसरो द्वारा विकसित किया गया है और इसमें **सात स्पेक्ट्रल बैंड** शामिल हैं।
   - यह महत्वपूर्ण **जैवभौतिकीय** और **विकिरण बजट** चर उत्पन्न करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कक्षा और कार्य:

- TRISHNA उपग्रह **761 किलोमीटर** की ऊंचाई पर सूर्य-समकालिक कक्षा में कार्य करेगा, जिसमें स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:30 बजे अवलोकन करेगा।

मिनी मून

एक नए अध्ययन के अनुसार, **पृथ्वी** का **गुरुत्वाकर्षण** क्षेत्र **2024 PT5** नामक एक **छोटे क्षुद्रग्रह** को अस्थायी रूप से पकड़ लेगा, जो **'मिनी चंद्रमा'** की तरह व्यवहार करेगा।

मिनी मून क्या है?

- ✓ मिनी मून एक **छोटा खगोलीय पिंड** होता है, आमतौर पर एक **क्षुद्रग्रह**, जो पृथ्वी के **गुरुत्वाकर्षण खिंचाव** द्वारा अस्थायी रूप से कैप्चर होता है। ये घटनाएँ हर कुछ दशकों में होती हैं।
- ✓ ये आमतौर पर बहुत छोटे होते हैं और इन्हें पहचानना कठिन होता है। अब तक पृथ्वी के केवल **चार छोटे चंद्रमाओं** की खोज की गई है, और इनमें से कोई भी स्थायी रूप से पृथ्वी की परिक्रमा नहीं कर रहा है।
- ✓ ऐसी घटनाएँ हर **कुछ दशकों** में होती हैं।

2024 PT5 के बारे में:

- **खोज:** इसे **7 अगस्त** को क्षुद्रग्रह स्थलीय-प्रभाव अंतिम चेतावनी प्रणाली (ATLAS) द्वारा खोजा गया।
- **आकार:** 2024 PT5 की **चौड़ाई मात्र 33 फ़ीट (10 मीटर)** है, जिससे इसे देख पाना कठिन होगा।
- **परिक्रमा:** यह क्षुद्रग्रह **पृथ्वी के चारों ओर एक पूर्ण परिक्रमा** करेगा, फिर सूर्य-केंद्रित कक्षा में लौट जाएगा।

पृथ्वी का मिनी चंद्रमा कैसे बनता है?

- मिनी मून को **नियर-अर्थ ऑब्जेक्ट (NEO)** से कैप्चर किया जाता है, जिसमें क्षुद्रग्रह और अन्य खगोलीय पिंड शामिल होते हैं।
- NASA के अनुसार, **120 मिलियन मील** (190 मिलियन किलोमीटर) के भीतर आने वाली किसी भी वस्तु को NEO माना जाता है।
- 2024 PT5 पृथ्वी के लिए **कोई खतरा** नहीं है।

मिनी मून का भविष्य:

- 2024 PT5 जैसे छोटे चंद्रमा भविष्य के अंतरिक्ष अन्वेषण में महत्वपूर्ण हो सकते हैं, क्योंकि इनमें **मूल्यवान खनिज और पानी** हो सकते हैं।
- गणनाओं से पता चलता है कि 2024 PT5 **जनवरी 2025** में और फिर **2055 में फिर से पृथ्वी के पास से गुजरेगा।**

निष्कर्ष: 2024 PT5 का अवलोकन वैज्ञानिकों को पृथ्वी के करीब से गुजरने वाले क्षुद्रग्रहों और कभी-कभी उनसे **टकराने वाले क्षुद्रग्रहों** के बारे में ज्ञान बढ़ाने में मदद करेगा। यह अध्ययन भविष्य के अंतरिक्ष अन्वेषण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

स्क्वायर किलोमीटर ऐरे (SKA) रेडियो टेलीस्कोप

हाल ही में निर्माणाधीन **विश्व की सबसे बड़ी रेडियो दूरबीन, स्क्वायर किलोमीटर ऐरे (SKA)** का पहला अवलोकन हुआ।

स्क्वायर किलोमीटर ऐरे (SKA):

- ✓ **संरचना:** SKA हजारों रेडियो एंटेना का एक नेटवर्क है, जिसमें **197 एंटेना दक्षिण अफ्रीका** में और **1.3 लाख ऑस्ट्रेलिया** में हैं। यह एक एकल इकाई के रूप में कार्य करेगा।
- ✓ **विभाजन: दक्षिण अफ्रीका** में स्थित एंटेना को **SKA-Mid** और **ऑस्ट्रेलिया में SKA-Low** कहा जाता है, जो उनके संचालित आवृत्ति रेंज को दर्शाते हैं।

उद्देश्य और महत्व:

- ✓ **वैज्ञानिक उद्देश्य:** SKA ब्रह्मांड की **उत्पत्ति, आकाशगंगाओं के विकास, और जीवन** की उत्पत्ति से संबंधित प्रश्नों की जांच के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- ✓ **पहली टिप्पणियाँ:** कुछ दिन पहले, ऑस्ट्रेलियाई टीम ने **SKA-Low के दो स्टेशनों** से डेटा को एकीकृत किया, जिससे यह पुष्टि हुई कि यह एक इंटरफेरोमीटर के रूप में कार्य कर सकता है।

तकनीकी विवरण:

- **इंटरफेरोमीटर:** ये उपकरण वैज्ञानिक माप बनाने के लिए तरंग हस्तक्षेप के सिद्धांत का उपयोग करते हैं। **SKA-Low और SKA-Mid** भी इस तकनीक का उपयोग करेंगे।
- **एंटेना संरचना: SKA-Low** में **1,31,072 एंटेना** होंगे, प्रत्येक की ऊंचाई दो मीटर है, जबकि **SKA-Mid में 197 बड़े** परवलयिक डिश एंटेना शामिल होंगे।
- **आवृत्ति रेंज: SKA-Low 50–350 मेगाहर्ट्ज** में काम करेगा, जबकि **SKA-Mid 350 मेगाहर्ट्ज – 15.4 गीगाहर्ट्ज** रेंज में संचालित होगा।

भारत की भागीदारी:

- **सहयोग:** भारत, जो इस परियोजना में सहयोग कर रहा है, अब एक पूर्ण सदस्य देश बन चुका है।
- **सॉफ्टवेयर विकास:** वर्तमान में, भारत **SKA-Mid और SKA-Low** के लिए आवश्यक एंटीना नियंत्रण संरचना के साथ उपयुक्त सॉफ़्टवेयर को विकसित कर रहा है।
- **भविष्य की योजना:** अगले साल, भारतीय टीम **SKA-Low के प्रत्येक 256 स्टेशनों** पर सिग्नल प्रोसेसिंग के लिए डिजिटल हार्डवेयर विकसित करेगी।

प्रत्यक्ष कर विवाद से विश्वास योजना 2024 (VSVA 2.0)

वित्त मंत्रालय ने **प्रत्यक्ष कर विवाद से विश्वास योजना 2024 (VSVA 2.0)** की शुरुआत की घोषणा की है, जो **1 अक्टूबर 2024 से लागू** होगी। इस योजना का उद्देश्य आयकर से संबंधित लंबित मुकदमों को कम करना है।

प्रमुख जानकारी:

- ✓ **लंबित मामलों का निपटान:** योजना के तहत **करदाता और विभाग दोनों अपीलीय मंचों**, जैसे ITAT, उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष लंबित अपीलों का निपटान कर सकेंगे।
- ✓ **पूर्ववर्ती योजना:** VSVA 1.0 ने 2020 में सफलतापूर्वक **1.46 लाख लंबित अपीलों** का समाधान किया था, जिससे सरकार को **₹0.54 ट्रिलियन** का राजस्व प्राप्त हुआ था।
- ✓ **बढ़ती लंबित अपीलें:** विभिन्न स्तरों पर **लंबित मुकदमों** की संख्या में वृद्धि हुई है, जिससे सरकार ने VSVA 2.0 की आवश्यकता महसूस की।

विशेषताएँ:

- **पात्रता:** 22 जुलाई 2024 तक लंबित मामलों को ही **VSVA 2.0** के तहत शामिल किया जा सकेगा।
- **मुकदमेबाजी में राहत:** विवादों का निपटारा करने पर **दंड और ब्याज** माफ कर दिया जाएगा, और भविष्य के विवादों के लिए यह मिसाल नहीं बनेगा।
- **बहिष्कृत मामले: तलाशी के मामलों, अभियोजन के मामलों**, और कुछ अन्य विशेष परिस्थितियों से संबंधित अपीलें इस योजना के तहत नहीं आएंगी।

प्रत्यक्ष कर:

प्रत्यक्ष कर वे कर होते हैं जो सीधे **व्यक्ति या संस्था** द्वारा सरकार को अदा किए जाते हैं। इन करों में कर का **बोझ सीधे करदाता** पर ही पड़ता है, यानी इसे किसी और पर स्थानांतरित नहीं किया जा सकता।

प्रत्यक्ष कर के कुछ उदाहरण:

- **आयकर:** व्यक्ति या कंपनी द्वारा अपनी आय पर दिया जाने वाला कर।
- **निगम कर:** कंपनियों द्वारा अपने लाभ पर दिया जाने वाला कर।
- **संपत्ति कर:** संपत्ति पर लगाया जाने वाला कर।
- **वस्तु एवं सेवा कर (GST):** कुछ विशिष्ट स्थितियों में GST भी प्रत्यक्ष कर के रूप में माना जा सकता है।

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

2024

GA FOUNDATION

RECORDED BATCH

Subject

- HISTORY ,POLITY
- GEOGRAPHY
- ECONOMICS

Price

1499/-

Validity
1 Year

By Ankit Avasthi Sir

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

RRB NTPC

TEST SERIES

- 100+ Mock Test
- 78 Sectional Test
- 40+ years PYPs
- 60+ Current affairs

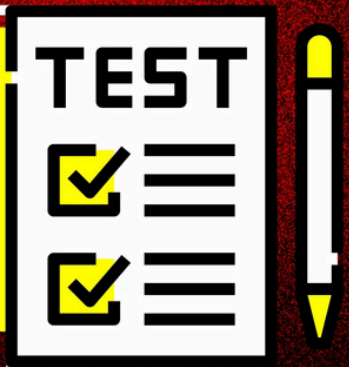

Only 99 Per Year

Buy Now